श्री क वाय : मैं यह जानना चाहता हूं कि उनमें भारतीय खेलों में रुचि रखने वाले सदस्य कितने हैं ?

अध्यक्ष महोदय : इसका फैसला किया जायगा कि भारतीय खेल कौन कौन से हैं ?

Movement of Coal

*614. **Shri R. Barua:** Will the Minister of **Mines and Fuel** be pleased to state the progress made regarding the scheme for moving coal from Dhanabad to Allahabad through a system of road and river transport?

The Parliamentary Secretary to the Minister of Mines and Fuel (Shri Thimmaiah): The movement of coal is being carried out on experimental basis by road and river from Kathara colliery of Bihar to Allahabad. In the three proving trips that have been completed so far, approximately 1173 tonnes of coal have been transported. The long term measures for movement of coal by the road-*cum*-river route and the quantities that can be transported are under consideration and will be finalised on the basis of the experience gained in these trips and other attendant factors such as the availability of suitable powered craft, prospects of improving the channel, possibility of securing return cargo etc.

Shri R. Barua: May I know whether any practical step has been taken to finalise the long-term proposals to improve the road and inland river system?

Shri Thimmaiah: The economics and the scope have been looked into, and a plan has been prepared or a scheme has been prepared and has been sent to the Ministry of Transport and Communications for their comments. Some of the roads between Ramgarh and Giridih coal-fields have to be connected with Mokameh Ghat, and some bad sections of the roads are under repairs, and under the bigger programme, all the roads will be taken up for construction.

Shri R. Barua: What is the type of co-operation received from the Ministry of Transport and Communications

Shri Thimmaiah: We are awaiting the comments from the Department of Transport in the Ministry of Transport and Communications.

श्री विश्वनाथ प्रसाद : गंगा में बहुत सी जगहों पर रास्ता बनाने के लिए स्टीमरों के बहुत से निशानात लगे हुए हैं। क्या माननीय मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि उस खर्च का ख़याल करते हुए उसके मुकाबले में कितना कोयला ढोये जाने की व्यवस्था है ।

श्री के० दे० मालवीय : जब नदी से कोयला ले जाने की जो योजना स्थायी हो जाएगी, तो उसमें तो यह आवश्यक है कि नदी में इस प्रकार के चिह्न बनाए जायें, क्योंकि कोयले को लेकर रात को भी नावें चलेंगी । इन सब बातों को देखते हुए अगर अधिक मात्रा में कोयला ले जाया जायेगा, तो ज्यादा खर्चा नहीं होगा ।

श्री भागवत झा आजाद : देश के और भागों में कोयले की सप्लाई की स्थिति अच्छी है, लेकिन चूंकि इस भाग में अब तक स्थिति सुधर नहीं पाई है । इसलिए उस को सुधारने के लिए सरकार सड़क और नदी द्वारा कोयला भेजने की व्यवस्था में कौन सा सुधार कर रही है, ताकि वहां अधिक से अधिक कोयला सप्लाई हो सके ?

श्री के० दे० मालवीय : हमारी यह इच्छा है कि नदी और सड़क से कोयला ढोने की यह योजना और विस्तार से चालू की जाये, क्यों कि हमारा यह विश्वास है कि इसको चालू करने से रेल का बोझ हल्का हो जायगा और अन्तिम रूप से हम सस्ते तरीके से कोयला ढो सकेंगे । लेकिन इसके लिए नदी को ट्रैन करने और बड़ी बड़ी नावों की जरूरत है । उसके लिए फारेन मुद्रा की आवश्यकता है ।

सब कठिनाइयां हमारे सामने हैं और हमारी यह आशा है कि हमारी सब मिनिस्ट्रीज इस मसले को हल कर के शीघ्र से शीघ्र इसको सफल बनायेंगी ।

श्री द्वा० ना० तिवारी : यह देखा गया है कि पटना से इलाहाबाद तक छोटे छोटे जहाज भी पानी के बिना गर्मियों में चलते नहीं हैं । तो क्या वहां पर ड्रेजिंग का पूरा इन्तजाम हो गया है ताकि कोयले से लदे हुए जहाज आ जा सकें ?

श्री क० दे० मालवीय : जैसे ही हमको ड्रेजर मिल जायेंगे, ड्रेजिंग का इन्तजाम हो जायगा और ड्रेजर्स के लिए बाहरी पैसे की जरूरत होती है ।

श्री शिव नारायण : माननीय मंत्री ने कहा है कि उनकी इच्छा है कि नदी और सड़क से कोयला ढोने की योजना को और विस्तार से चालू किया जाये । मैं यह जानना चाहता हूं कि कोयला पहुंचाने की उन सब की इच्छा की कितने परसेंट पूर्ति नहीं है ।

अध्यक्ष महोदय : हर एक बात तो परसेंटेज में नहीं बताई जा सकती है ।

श्री शिव नारायण : मैं यह जानना चाहता हूं कि अब तक क्या प्रोग्रेस इस बारे में हुई है है ।

श्री के० दे० मालवीय : यह योजना चालू हो गई है ।

Shri K. C. Pant: How much time is required to tain the river Ganda adequately to make it fully navigable?

Shri K. D. Malaviya: The river can be trained, in my opinion, in about one year's time, when the monsoon season if off and the rain condition of the river is known. The entire question is to get a number of dredgers with a view to finish the job as qucikly as possible. As soon as we get the dredgers, we shal be able to do the training job within a year.

Russian aid for Oil Production

\+

*615. **Shri Maheswar Naik:**
Shri D. C. Sharma:
Shri Sidheshwar Prasad:

Will the Minister of **Mines and Fuel** be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Soviet Russia wou.d soon sign an agreement with Oil and Natural Gas Commission for giving the Commission Rs. 4 crores for oil prospecting and production; and

(b) if so, on what terms?

The Minister of Mines and Fuel (Shri K. D. Malviya): (a) A contract was concluded on 15-3-1963 between the Oil and Natural Gas Commission and the USSR trade Organisation for the supply of Drilling, Production, Geophysical, Transportation and Workshop equipment valued at approximately Rs. 4 crores.

(b) The cost involved is to be met from the allocation made to the Oil and Natural Gas Commission out of the credits given by the USSR Government to the Government of India.

Shri Maheswar Naik: May I know whether any proposals have been framed as to how and where the money is going to be invested?

Shri K. D. Malaviya: The annual programme for drilling is drawn up at the beginning of the season, and according to the requirement of equipments, timely orders are placed with the USSR Government; for that timely contracts are entered into.

Shri Maheswar Naik: What is the normal expenditure in respect of prospecting for oil and how are the results